लखनऊ, मेरठ, गाजियाबाद एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक

प्रभात प्रकाशन का 73वां साल

प्रभात

सीधी बात-सच्ची बात

जल संक्षरण पर नवीनतम तकनीकी विधाओं की दी जानकारी

लखनऊ। प्रभात

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एमएमएस), शनिवार 24 नवम्बर, 2018 को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी 'सोर्सेज़ ऑफ प्लैनेट एनर्जी, एनवायर्रमेंटल एण्ड डिजास्टर साईंसः क्लाइमेट डिस्टरबेंस एण्ड इट्स ग्लोबल इम्पैक्ट (स्पीड्स-2018)' का औपचारिक अधिष्ठापन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ0 राजेन्द्र सिंह जो कि भारत के प्रसिद्ध पर्यावरण कार्यकर्ता हैं, की उपस्थिति हर्ष का विषय रहा। उनका व्याख्यान जल संरक्षण पर आधारित था, उन्होंने जल संरक्षण की विभिन्न विधाएं बताई। संगोष्ठी के गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ0 डी0पी0 सिंह, हेड ऑफ डिपार्टमेंट-इनवायरमेंटल सांइस, बी0बी0ए0यू0 ने अपने व्याख्यान में पूरे विश्व के औसत तापमान में लगातार वृद्धि एवं ग्रीन हाउस प्रभाव के बारे में बताया साथ ही बढ़ते हुए तापमान के दुष्परिणामों के बारे में अवगत कराया। संगोष्ठी के चीफ पैट्रन ई0 वी0बी0 सिंह, कौंसिल मेम्बर द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, ने अपने व्याख्यान में बढ़ते हुए तापमान का धरती पर किस तरह प्रभाव पड़ेगा, के बारे में बताया। संगोष्ठी के की-नोट स्पीकर डॉ0 सी0एम0 नौटियाल, सीनियर साईंटिस्ट, ने अपने व्याख्यान में हरितगृह प्रभाव के कारणों को बताया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के अधिष्ठापन अवसर पर प्रो0(डा0) एम0 मेहरोत्रा, डायरेक्टर एसएमएस, प्रो0 (डा0) बी0आर0 सिंह, डी0जी0 (तकनीकी) एसएमएस, शरद सिंह, सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एसएमएस एवं डा0 धर्मेन्द्र सिंह, डीन, एसएमएस की उपस्थिति में संगोष्ठी को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया।

एसएसएम में 'सोर्सेज़ ऑफ प्लैनेट एनर्जी, एनवायर्रमेंटल एण्ड डिजास्टर' साइंस पर सेमिनार में बोलते डॉ. राजेन्द्र सिंह